धन्यवाद का गीत

मेरे लिए दे दी तूने अपनी जान
और बहा दिया तेरा सारा लहू
कर्ज गुनाहोका मेरा चुकाया
धन्यवाद मैं करता रहु

धन्यवाद.....धन्यवाद..... (4)

बोज था भारी मेरा
न था काबिल उठाने सारा
दबा रहता था मैं
न था कोई सच्चा सहारा
अब पाया हु मार्ग सही
क्यों न धन्द्यवाद करु

धन्यवाद.....धन्यवाद..... (4)

इस जग के अंधकार में
था खोया और भटका हुआ
था अपराधों में डूबा हुआ
न इबादत न कोई दुआ
अब पाया हु राह सही
क्यों न धन्द्यवाद करु

धन्यवाद.....धन्यवाद..... (4)

वो काँटों का ताज वो कोड़ो की मार
वो किलो की नोक वो खून की धार
सहा तूने सब कुछ मेरी ही खातिर
तेरा बलिदान मेरा उद्धार
अब पाया हु जीवन सही
क्यों न धन्द्यवाद करु

धन्यवाद.....धन्यवाद..... (4)

richwords.in